अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान क्रैश

बम की तरह फटा विमान

12 क्रू मेंबर समेत 265 की मौत

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

वर्ष: 15 - अंक : 54, मुंबई, शुक्रवार, 13 जून, 2025, मूल्य : 1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ **संपादक:** दिलशाद एस. खान

गुजरात के पूर्व सीएम रूपाणी भी नहीं रहे

क्रैश के बाद प्लेन का पिछला हिस्सा हॉस्टल बिल्डिंग पर गिरा, हॉस्टल में मौजूद थे 50 से 60 डॉक्टर्स, 24 शव मिले

कई घायलों का अस्पताल में चल रहा है इलाज

इन देशों के नागरिक थे सवार

169 भारतीय
1 कनाडाई
53 ब्रिटिश
7 पुर्तगाली

लापरवाही के कारण हुआ अहमदाबाद में प्लेन क्रैश, विशेषज्ञों ने जताई हादसे को लेकर आशंका

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया का प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें प्लेन सवार 242 लोगों के साथ 50 अन्य लोगों की मौत हो गई। हादसा क्यों हुआ, इसे लेकर अभी कुछ स्पष्ट नहीं है, लेकिन विशेषज्ञों ने हादसे को लेकर कई तरह के सवाल उठने शुरू कर दिए हैं। जैसे, प्लेन जब 600 फीट की ऊंचाई पर था, तब भी उसके लैंडिंग गियर नीचे क्यों थे? क्या उड़ान भराने से पहले प्लेन की सही तरीके से जांच नहीं हुई थी, जिससे इंजन की खराबी का पता नहीं चल पाया? (शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई हलचल परिवार ने हादसे पर जताया गहरा दु:ख

हो गया करिश्मा, बच गई एक की जान

पेज : 3-4-5-7-8 पर भी पढ़े

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

उपलब्धि है या नाकामी?

दो तिहाई आबादी की रोजमर्रा की जिंदगी सरकारी अनाज या कैश ट्रांसफर से चलती हो, तो क्या किसी सरकार को इसे अपनी उपलब्धि बताना चाहिए? या इसे भारत की राष्ट्रीय परियोजना की घोर नाकामी का सबूत माना जाएगा?

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने विश्व श्रम संगठन (आईएलओ) की बैठक में गर्व से बताया कि भारत सरकार आज 94 करोड़ यानी अपने 64.3 प्रतिशत नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा दे रही है। मंडाविया के मुताबिक 2019 तक सिर्फ 24.4 प्रतिशत नागरिकों को ऐसी सुरक्षा प्राप्त थी। स्पष्टतः 40 फीसदी नए लोगों जो सामाजिक सुरक्षा मिली, वह हर महीने पांच किलोग्राम मुफ्त अनाज की है। ये योजना कोरोना काल में तात्कालिक राहत देने के लिए शुरू की गई थी। लेकिन वो इस कदर वोट जुटाऊ साबित हुई कि पहले उसकी अवधि बढ़ाई गई। और अब उसे हमेशा के लिए लागू कर दिया गया है। मंडाविया जिनेवा में आईएलओ की सामाजिक सुरक्षा समीक्षा बैठक में भारत सरकार का पक्ष रख रहे थे। इस दौरान उन्होंने यह जिक्र भी किया कि भारत में गिग कर्मियों का पंजीकरण करने, उन्हें विशेष सहायता देने, और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के इंतजाम किए जा रहे हैं। बहरहाल, इसी मौके पर आईएलओ ने यूनिसेफ के साथ मिल कर तैयार बाल मजदूरी पर अपनी एक रिपोर्ट जारी की। उसमें बताया गया कि भारत में पांच से 14 वर्ष उम्र के तकरीबन एक करोड़ बच्चे मजदूरी करने के लिए मजबूर हैं। इस क्षेत्र में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों के मुताबिक असल में ये संख्या इससे कहीं ज्यादा है। अक्सर ये बच्चे कृषि, कंस्ट्रक्शन, पारिवार संचालित उद्यमों में और घरेलू सेवक के रूप में काम करते हैं, जिनकी कभी भरोसेमंद गिनती नहीं हुई है। और ये हकीकत है सरकार की तमाम सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बावजूद! वैसे दो तिहाई आबादी की रोजमर्रा की जिंदगी सरकारी अनाज या कैश ट्रांसफर से चलती हो, तो क्या किसी सरकार को इसे अपनी उपलब्धि बताना चाहिए? या इसे भारत की राष्ट्रीय परियोजना की घोर नाकामी का सबूत माना जाएगा? दरअसल, यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, जिसका दोष राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, अपनाई गई आर्थिक नीतियों, और राजनीतिक संकल्प के अभाव पर जाता है। मुद्दा यह है कि क्या देश में ऐसी जमीन तैयार करने का लक्ष्य अब पूरी तरह भुला दिया गया है, जिस पर खड़े होकर लोग अपनी प्रतिभा और मेहनत से आत्म-सम्मान की जिंदगी हासिल सकें?

855+ से अधिक विद्यार्थियों को स्कूल किट प्रदान; कोकण संस्था की सराहनीय पहल

सावंतवाड़ी। कोकण संस्था की ओर से दिनांक ११ जून २०२५ को श्री पंचम खेमराज महाविद्यालय, सावंतवाड़ी में ८५५ जरूरतमंद छात्रों को निःशुल्क स्कूल बैग और शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। इस उपक्रम में ५१ स्कूलों के छात्रों ने सहभाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक दृष्टि से कमजोर विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक साधन उपलब्ध कराना है। अक्सर आर्थिक समस्याओं के कारण बच्चों को किताबें, नोटबुक, पेन जैसी बुनियादी चीजें नहीं मिलतीं, जिससे उनकी पढ़ाई में रुचि कम हो जाती है और स्कूल में उपस्थिति भी घट जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए कोकण संस्था हर वर्ष हजारों विद्यार्थियों को निःशुल्क शालेय किट वितरित कर शिक्षा में उनका सहयोग कर रही है। कोकण संस्था, जो वर्ष २०१० में स्थापित हुई थी, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से वंचित वर्ग के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए कार्यरत है। वर्तमान में संस्था महाराष्ट्र के ८ जिलों में सक्रिय है और अब तक लगभग ५०,००० विद्यार्थियों तक पहुँच चुकी है।यह कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में सावंतवाड़ी

संस्था के युवराज लखमराजे भोसले सहित अनेक मान्यवर उपस्थित थे। इस अवसर पर सावंतवाड़ी संस्था के युवराज लखमराजे भोसले, सामाजिक कार्यकर्ता बाळू देसाई, पूर्व उपनगराध्यक्ष अन्नपूर्णा कोरगांवकर, व्हॉइस ऑफ मीडिया के जिलाध्यक्ष प्रा. रूपेश पाटील, मुख्याध्यापक संघ के जिलाध्यक्ष वामन तर्फे, 'कोकणसाद' के संपादक संदीप देसाई, दैनिक 'प्रहार' के पत्रकार प्रवीण परब, दैनिक 'सकाळ' के हेमंत खानोलकर, सिंधुदुर्ग प्रसारक मंडल के जयप्रकाश सावंत, पंचम खेमराज के हिंदी विभाग प्रमुख प्रा. डॉ. देविदास बोर्डे ने संस्था के उपक्रम की सराहना की। इस अवसर पर संपादक संदीप देसाई उन्होंने कहा, कोकण संस्था ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए जो शैक्षणिक आधार खड़ा कर रही है, वह अत्यंत सराहनीय है। सरकार की योजनाओं के साथ-साथ ऐसी स्वयंसेवी संस्थाओं का योगदान भी महत्वपूर्ण होता है। हर एक विद्यार्थी तक शिक्षा पहुंचाने के लिए ऐसी सामाजिक प्रतिबद्धता आवश्यक है। संस्था के अध्यक्ष दयानंद कुबल उन्होंने कहा, महाराष्ट्र के वंचित बच्चों को शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताएँ प्रदान कर हम उन्हें एक अच्छा जीवन जीने के लिए सक्षम बनाना चाहते हैं। विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की शैक्षणिक सामग्री की कमी न हो और उनके पढ़ाई में कोई रूकावट न आए, इसके लिए कोकण संस्था लगातार कार्यरत है। इस उपक्रम के अंतर्गत विद्यालय के मुख्याध्यापक और शिक्षकों ने महत्त्वपूर्ण सहयोग किया।

कोकण संस्था की ओर से साक्षी पोटे, ऋचा पेडणेकर, गौरी आडेलकर, हर्षला अमूप, बिना आहिरे, सूरज कदम, प्रथमेश सावंत, अमित पाटील, वैष्णवी म्हाडगूत, अवंती गवस, सत्यवान भगत, चेतन धरणे, अमोल गुरम समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन समीर शिर्के ने किया तथा आभार प्रीति पांगे ने माना। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने अपने अनुभव और भावनाएँ व्यक्त कीं। कुछ विद्यार्थियों ने कहा, इस स्कूल किट से हमारी पढ़ाई में बहुत मदद मिलेगी। प्राप्त हुई इस सामग्री के कारण हम नए शैक्षणिक वर्ष को लेकर बहुत उत्साहित हैं। ऐसे उपक्रमों के माध्यम से शिक्षा का प्रकाश ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँचाकर कोकण संस्था समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य सफलतापूर्वक कर रही है। यह उपक्रम आगे भी निरंतर चलता रहेगा, ऐसा आश्वासन संस्था के अध्यक्ष दयानंद कुबल ने दिया।

मिनी ब्राजील के नाम से विख्यात जिले के ग्राम विचारपुर की फुटबाल टीमों की मुख्यमंत्री जी ने की सराहना

फुटबाल टीमों को 10 लाख रूपए देने की घोषणा की, खिलाड़ी बच्चों की फुटबाल पर दिया ऑटोग्राफ

शहडोल। प्रदेश के बच्चे खूब खेलें आगे बढ़ें, दुनिया भर में प्रदेश का नाम रोशन करें। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ब्यौहारी जनपद मुख्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन के अवसर पर मिनी ब्राजील के नाम से विख्यात ग्राम विचारपुर के 10 फुटबाल टीमों के सदस्यों तथा कोच को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने पॉडकास्ट के माध्यम से ग्राम विचार पुर की खेल प्रतिभाओं की सराहना पूरे दुनिया भर में की है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने फुटबाल टीमों को 10 लाख रूपए देने की घोषणा की, खिलाड़ी बच्चों की फुटबाल पर ऑटोग्राफ भी दिया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के बच्चों की पढ़ाई तथा खेल प्रतिभाओं को निखारने में सरकार कोई कसर नहीं रखेगी। विचार पुर ग्राम के छात्र-छात्राओं की फुटबाल टीम तथा फुटबाल के प्रति उनके लगाव से मैं गदगद हूं। ये खिलाड़ी बच्चे अपने गांव तथा प्रदेश का नाम पूरी दुनिया में रोशन करें इन्हें मेरी शुभकानाएं है। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय फुटबाल खिलाड़ी सुहानी कोल, सानिया कुंडे, सपना गुप्ता, पूनम बैगा, रागनी मरावी, सहायक संचालक खेल रईस अहमद एवं कोच अजय सोंधिया को खेल सामग्री एवं फुटबाल पर ऑटोग्राफ दिए।

(साजिद खान धनपुरी)

पत्रकार सोहन राठौर की माताजी के निधन पर विभिन्न कांग्रेसी नेता शोक व्यक्त करने पहुंचे

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। कांटाफोड़। स्थानीय राठौर समाज के स्व. नत्थूलाल राठौर की धर्मपत्नी व मोहन एवं राठौर समाज युवा संगठन जिलाध्यक्ष पत्रकार सोहन राठौर, अशोक राठौर की माताजी श्रीमती जानकीबाई राठौर के निधन पर कांग्रेस पीसीसी सदस्य मनोज होलानी, श्रीनिवास तिवारी, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष राजाराम यादव, नप अध्यक्ष कैलाश अमोदिया, मुकेश राठौर, गुरमीत भाटिया, बीरू बग्गा, जगदीश राठौर, जयंती जायसवाल, सतीश जायसवाल, पवन जायसवाल, धर्मेन्द्र सिंगनाथ ने शोकाकुल परिवार मे पहुंचकर शोक व्यक्त किया।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

‘लापरवाही से उपजे त्रासदीपूर्ण विमान हादसे पर तत्काल न्याय और जवाबदेही की मांग’

मुंबई। मैं, डॉ. अजय एल. दुबे, इस पत्र को गहरे शोक और बढ़ते आक्रोश के साथ लिख रहा हूँ। हाल ही में अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे को एक ‘दुर्घटना’ कहकर टाल देना एक धोखा होगा। यह एक मानव निर्मित त्रासदी है, जो पुराने विमान, प्रशासनिक लापरवाही और सिस्टम की खामियों का प्रत्यक्ष परिणाम है। हर मंच से ‘विश्वस्तरीय अवसंरचना’ और ‘विकसित भारत’ की बातें होती हैं, लेकिन जब हमारे शहरों के ऊपर पुराने, खस्ताहाल विमान उड़ रहे हैं, तो सवाल उठता है–क्या यही है वह 'विकसित भारत' जिसका सपना दिखाया गया? जहाँ सुरक्षा ऑडिट सिर्फ कागजों की खानापूरी बन चुके हैं और चेतावनियाँ तब सुनी जाती हैं जब लाशें गिनी जाने लगती हैं? छात्र अपने हॉस्टल में दोपहर का खाना खा रहे थे–न उन्होंने उड़ान भरी, न कोई जोखिम उठाया–फिर भी वे मलबे में दबे, आग की लपटों में झुलस गए। जब हमारे छात्रावास तक सुरक्षित नहीं हैं, तो सुरक्षा की गारंटी किससे मांगें? या वह भी किसी कॉन्ट्रैक्ट की तरह निजी हाथों में दे दी गई है?

हादसे से जुड़ी गंभीर चिंताएं

- **दोपहर के भोजन के दौरान घायल छात्र:** बी.जे. मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में विमान सीधे डायनिंग हॉल से टकराया, जहाँ छात्र खाना खा रहे थे। प्लेटों में अधूरा खाना और टूटे हुए टेबल-वर्तन इस भयावह सच्चाई की गवाही दे रहे थे।
- **पुराने विमान और तकनीकी खराबियाँ:** 11 साल पुराना एयर इंडिया का बोइंग 787 विमान टेकऑफ के दौरान ही ऊंचाई नहीं पकड़ सका। लैंडिंग गियर नीचे अटका था, फ्लैप्स काम नहीं कर रहे थे—साफ तौर पर तकनीकी विफलता।
- **एयरलाइन और नियामक संस्थाओं की लापरवाही:** इसके बावजूद यह विमान उड़ान के लिए अनुमति पा गया।
- **अब सवाल यह है–** इस पर किसने साइन किया? और क्या कोई जवाबदेह होगा?
- **ज्यादातर मृतक जमीनी नागरिक:** अधिकतर मृतक विमान में नहीं, जमीन पर मौजूद छात्र और स्थानीय लोग थे। यह सिर्फ विमानन नहीं, जन-सुरक्षा की भी विफलता है।
- **बोइंग 787 का पहला पूर्ण विनाश:** विश्व स्तर पर यह बोइंग 787 मॉडल की पहली पूर्ण हानि है—भारत की नहीं, पूरी दुनिया की चिंता का विषय।

हमारी माँगें–अनुग्रह नहीं, अधिकार हैं

1. प्रभावित परिवारों और घायलों को त्वरित और पूर्ण मुआवजा, बिना सरकारी देरी या प्रतीकात्मकता के।
2. घायल छात्रों के लिए मुफ्त और दीर्घकालिक चिकित्सा एवं मानसिक स्वास्थ्य सहायता।
3. एयरलाइन अधिकारियों और नागरिक उड्डयन विभाग की आपराधिक जांच और कार्रवाई।
4. पुराने विमानों पर तत्काल प्रतिबंध और सख़्त, स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट की अनिवार्यता।
5. स्थायी एविएशन रिफॉर्म, जो सिर्फ रिपोर्टों में नहीं, जमीन पर दिखे।

सरकार से एक सख़्त लेकिन सम्मानजनक सवाल

माननीय नेतागण, अब वक्त आ गया है कि सिर्फ ट्वीट और शोक संदेशों से आगे बढ़कर असली जवाबदेही दिखाई जाए। देश को अब ‘घोषणाएँ’ नहीं, कार्रवाई चाहिए। ‘जुमलों’ से नहीं, इंसाफ से विकास होगा।अगर इतना बड़ा हादसा भी व्यवस्था को नहीं जगा सका—तो फिर ये सरकार सिर्फ एविएशन में नहीं, शासन में भी विफल है।

दर्द, आक्रोश और दृढ़ विश्वास के साथ, डॉ. अजय एल. दुबे, जिम्मेदार नागरिक

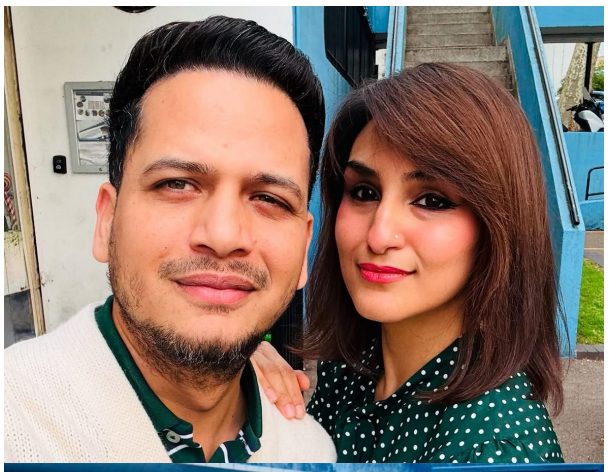

अहमदाबाद प्लेन क्रैश में मुंबई का हंसता खेलता परिवार भी हुआ हादसे का शिकार

(पृष्ठ 1 का समाचार)

लापरवाही के कारण हुआ अहमदाबाद में प्लेन क्रैश

अहमदाबाद के मेघाणी नगर क्षेत्र में हुई इस दिल दहला देने वाली प्लेन दुर्घटना में कुल 242 लोग सवार थे। दुखद रूप से, इनमें से केवल एक यात्री के बचने की सूचना है। प्लेन में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और 1 कनाडाई नागरिक मौजूद थे। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू किया गया, लेकिन घनी आबादी वाले इलाके में हुआ यह हादसा बेहद विनाशकारी साबित हुआ। मौके पर विशेषज्ञों और फोरेंसिक टीमों ने जांच शुरू कर दी है, जबकि पूरे देश में इस त्रासदी को लेकर गहरा शोक व्याप्त है। हादसे के बाद उड्डयन से जुड़े कई विशेषज्ञों ने इसे लेकर लापरवाही की आशंका जताई है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब प्लेन 600 फीट की ऊंचाई पर था, तब उसके लैंडिंग गियर को ऊपर होना चाहिए था, लेकिन हादसे के पहले के वीडियो से पता चलता है कि दुर्घटना के वक्त लैंडिंग गियर नीचे थे। सबसे बड़ा सवाल है कि ऐसा क्यों था? आमतौर पर प्लेन के उड़ान भरते ही लैंडिंग गियर ऊपर उठा दिया जाता है। क्योंकि लैंडिंग गियर नीचे था, इसलिए माना जा रहा है कि इंजन में खराबी का पहले ही पता चल गया हो। विशेषज्ञों के अनुसार, हादसे के वीडियो से पता चलता है कि प्लेन उड़ते हुए नीचे आया और क्रैश हो गया। इसमें बीच हवा में किसी प्रकार का विस्फोट नहीं हुआ था। हो सकता है विमान में पावर की कमी हो गई हो। इसे इंजन की खराबी माना जा सकती है, जिसके कारण विमान में पावर की अचानक कमी हुई हो और वह हादसे का शिकार हो गया। या फिर उड़ानकेआखिरी कुछ पलों में पक्षी टकरा गया हो।

ब्लैक बॉक्स से खुलेंगे राज

हादसे को लेकर कई तरह की संभावनाएं हैं। इसमें लापरवाही बरतने से लेकर पक्षियों के टकराने की बात कही जा रही है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इसके बारे में सही जानकारी प्लेन में मौजूद ब्लैक बॉक्स से डेटाएकत्रित करने के बाद ही मिल सकता है।

Ahmedabad Flight Crash

आखिरी 'उड़ान'

आखिरी सफर के आखिरी फोटो

राजस्थान के बांसवाड़ा के इस प्यारे से परिवार को देखिए। सबकी विमान हादसे में मौत हो गई। डॉ. कोनी व्यास पेसिफिक हॉस्पिटल से इस्तीफा देकर अपने पति प्रदीप जोशी के साथ लंदन में शिफ्ट होने वाली थी। गुरुवार को बच्चों के साथ जा रही थी, दुखद हादसे का शिकार हो गई।

पिता के साथ खुशबू

राजस्थान बालोतरा के मदनसिंह राजपुरोहित की सुपुत्री खुशबू की शादी कुछ माह पूर्व ही हुई थी और वे अपने पति से मिलने लंदन जा रही थीं

मणिपुर की दो बेटियां

क्रू मेंबर में शामिल मणिपुर की रहने वाली दो लड़कियों की मौत हुई है।

दूसरी मंजिल से कूद गया मेरा बेटा

एयर इंडिया विमान दुर्घटना की खबर के बाद गुजरात के अहमदाबाद के सिविल अस्पताल पहुंची रमीला ने बताया। उन्होंने कहा कि मेरा बेटा लंच ब्रेक के दौरान हॉस्टल गया था और विमान वहीं दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मेरा बेटा सुरक्षित है और मैंने उससे बात की है। वह दूसरी मंजिल से कूद गया था, इसलिए उसे कुछ चोटें आईं।

मात्र 11 साल पुराना था बोइंग विमान

बोइंग 787 ड्रीमलाइनर की डिज़ाइन की गई जीवन अवधि 44,000 उड़ान चक्र है। यानी जो 30 से 50 वर्षों की संभावित लाइफ बताती है। जबकि अधिकांश वाणिज्यिक जेट इतने लंबे समय तक सेवा में नहीं रहते हैं। 787 की मजबूती बेड़े और सेवानिवृत्ति योजना में अधिक लचीलापन प्रदान करती है। अहमदाबाद में गिरा प्लेन सिर्फ साढे 11 साल पुराना था।

- ईंधन क्षमता 1,26,206 लीटर
- अधिकतम गति 954 किमी/घंटा
- अधिकतम रेंज 13,620 किलोमीटर
- बैठने की क्षमता 254 यात्रियों तक
- निर्माता बोइंग (यूएसए)

अनुमानित लागत 2.18 हजार करोड़ रुपए

कौन थे विमान उड़ाने वाले पायलट

फ्लाइट में जो दो पायलट थे, उनका नाम कैप्टन सुमीत सभरवाल और क्लाइव सुंदर था। विमान की कमान विमान की कमान कैप्टन सुमीत सभरवाल के पास थी, उनके साथ फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव सुंदर थे। कैप्टन सुमीत सभरवाल के पास 8200 घंटों का अनुभव है। सुंदर के पास 1100 घंटे का फ्लाइट एक्सपीरियंस था. ये फ्लाइट में फर्स्ट ऑफिसर थे। बता दें कि जब भी कोई फ्लाइट उड़ती है तो उसमें आमतौर पर दो पायलट होते हैं, जिनमें एक कैप्टन प्लेन उड़ाते हैं। वहीं, इनके साथ एक पायलट फर्स्ट ऑफिसर होते हैं, जो आम तौर पर जूनियर पायलट होते हैं। पांच साल के अनुभव के बाद किसी फर्स्ट ऑफिसर को कैप्टन की पोस्ट पर प्रमोट कर दिया जाता है।

हादसे वाले प्लेन में थी कई खामियां

जिस प्लेन का हुआ हादसा, उसमें थी कई खामियां,युवक ने सोशल मीडिया पर शेयर भी की थी, बता दें कि शख्स हादसे वाली फ्लाइट से 2 घंटे पहले दिल्ली से अहमदाबाद आया था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की संवेदनाएं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस हादसे को हृदय विदारक आपदा करार देते हुए, सभी प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए राष्ट्रपति ने लिखा यह एक अत्यंत दुखद विमान दुर्घटना है। इस हृदय विदारक आपदा में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। राष्ट्र इस अवर्णनीय दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है।

क्रैश होते ही आग का गोला बनने का ये है कारण

हादसे का शिकार हुए एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान था, जिसे लंदन जाना था। इस विमान की अधिकतम ईंधन क्षमता 1 लाख किलोग्राम से ज्यादा है। टेकऑफ (उड़ान भरने) के समय किसी भी विमान में ईंधन पूरी तरह भरा होता है। ऐसे में संभावना है कि इस विमान ने भी लंबी दूरी की जरूरत के अनुसार ईंधन भरा होगा। इसीलिए जब यह विमान टेकऑफ करते ही दुर्घटनाग्रस्त हुआ, तो भीषण आग का एक गोला और धुआं निकला। दुर्घटनाग्रस्त विमान 11 साल पुराना था। यह एक वाइड-बॉडी, मिड-साइज और लॉन्ज रेंज विमान है, जो 210-250 सीटों की क्षमता के साथ 8,500 समुद्री मील (9,800 मील) तक की दूरी तय कर सकता है।

विमान का मलबा

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कौन बनेगा करोड़पति के नाम से जनता को शातिर तरीके से ठगने वाले साइबर ठगों से सावधान...?

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़
राजस्थान। अगर आपको किसी के द्वारा आपके वाट्सऐप नंबर पर कौन बनेगा करोड़पति के नाम से आपके नाम पर किसी भी तरह की लॉटरी लगने की बात के संदेश के साथ वॉइस मैसेज भेजें जा रहे है तो सावधान हो जाइए। ऐसे झूठे और भ्रामक संदेश से आप बहुत बड़ी ठगी के शिकार हो सकते हैं। दरअसल आजकल दो ऐसे फर्जी नंबर 6268227857 व 9120528260 से आम जनता को कौन बनेगा करोड़पति द्वारा फर्जी और लोकलुभावन मैसेज और वॉइस मैसेज भेजे जा रहे हैं। ताकि इनके जाल में फंसाकर भोली-भाली जनता को शातिर तरीके से ठगा जा सके। शातिर ठग इस 6268227857 नंबर से ये ठग आकाश वर्मा बनकर लोगों को भ्रामक और फर्जी जानकारी देता हैं कि आपके नाम पर 25 लाख रुपए की लॉटरी लगी है और आप कौन बनेगा करोड़पति कंपनी के मैनेजर राणा प्रताप सिंह से संपर्क करके जानकारी पता करें कि आपके नाम पर खुली 25 लाख रुपए की लॉटरी के रुपए को आप कैसे विड्रोल कर सकते हैं। और ये शख्स लोगों को बेवकूफ बनाने के लिए कहता है कि आप इस नंबर 9120528660 पर कोलिंग नहीं बल्कि वाट्सऐप कोलिंग करें क्योंकि उसे मालूम हैं कि इस नंबर पर रिचार्ज नहीं होने की वजह से फोन नहीं लगेगा बल्कि वाट्सऐप कोल लग जाएगा और ये भोली-भाली जनता को अपने

शातिराना जाल में फंसा लेंगे। फिर बाद में इस मोबाइल नंबर 9120528660 पर वाट्सऐप कोल करने पर आगे वाला यही शख्स अपने आपको कौन बनेगा करोड़पति कंपनी का मैनेजर बताकर अपना परिचय देता हैं और लोगों को अपने शातिराना तरीके से ठगने के जाल में फंसाकर उनके वाट्सऐप नंबर पर 25 लाख रुपए की लॉटरी लगने की जानकारी देकर बधाई देता हैं। दरअसल ये अलग-अलग नाम और नंबर से मैसेज भेजकर ठगने वाला एक ही शख्स होता हैं अलग-अलग नहीं। फिर बाद में यही ठग अपने दूसरे नंबर 9120528660 से अपने आप को कौन बनेगा करोड़पति कंपनी का मैनेजर राणा प्रताप सिंह के रुप में अपना परिचय देता है। इस शातिर ठग की पोल तो यहीं उसके अपना परिचय देते हुए ही खुल जाती हैं कि वो अपने आप को कौन बनेगा करोड़पति कंपनी का मैनेजर नहीं बल्कि मनैजर कहकर बात करता हैं। और कौन बनेगा करोड़पति कंपनी द्वारा पांच कंपनियों से कंपिटीशन करवाया जाकर ग्राहकों का वाट्सऐप नंबर लक्की ड्रा में शामिल करने की बात कहता है। जबकि वास्तविक रुप में कौन बनेगा करोड़पति कंपनी कोई ऐसा कंपिटीशन नहीं करवाती हैं। फिर ये शातिर ठग ग्राहकों का आधार कार्ड, बैंक अकाउंट नंबर यहां तक कि परिवार में किसी भी सदस्य का खाता नंबर मांगता है और ग्राहकों द्वारा खाता नंबर भेजने पर उसके द्वारा ओटीपी भेजकर डिटेल मांगी जाती है और फिर ग्राहक द्वारा बताए जाने पर उसके खाते में जमा राशि को साफ कर लिया जाता हैं। फिर ग्राहकों के पास हाथ मलने के सिवा कुछ नहीं रहता हैं। अगर आपके पास भी ऐसा करोड़पति बनाने का कोई मैसेज आता हैं तो कतई ध्यान ना दें। ऐसे साइबर ठगों से सावधान रहें, सचेत रहें।

देश के अमर शहीदों को सौ सौ सलाम...

आजाद हिंद फौज की सबसे कम उम्र की महिला जासूस जिनसे सुभाष चन्द्र बोस भी प्रभावित थे जिन्होंने...

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़
राजस्थान। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में देश के कई नायकों और क्रांतिकारियों के नाम है। लेकिन इतिहास के पन्नों से वो गुमनाम क्रांतिकारी गायब हैं जिनका देश की आजादी में अहम योगदान रहा हैं। और जिन्होंने बहुत ही बहादुरी से अंग्रेजों से मुकाबला किया हैं। ऐसे ही गुमनाम नामों की फेहरिस्त में शामिल हैं एक गुमनाम महिला क्रांतिकारी है सरस्वती राजामणि जो आजाद हिंद फौज की सबसे कम उम्र की महिला जासूस एवं इसने सुभाष चन्द्र बोस को काफी हद तक प्रभावित किया था। सरस्वती का जन्म 1927 में बर्मा में हुआ था। उनके पिता भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के समर्थक थे और अंग्रेजों से बचने के लिए उन्होंने बर्मा में शरण ली थी। इस तरह देशभक्ति की भावना राजामणि को विरासत में मिली थी। इस महिला क्रांतिकारी से जुड़ी कहानी यह है कि एक बार महात्मा गांधी सरस्वती राजामणि के घर गए। और तब राजामणि बंदूक

से निशानेबाजी का अभ्यास कर रही थी। गांधी जी ने उनसे पूछा कि एक बच्चे को बंदूक चलाना सीखने की क्या जरुरत है? इस पर राजामणि ने कहा कि अंग्रेजों को मारने के लिए और किस लिए? गांधी जी अहिंसावादी थे और राजामणि को अहिंसा का मार्ग समझाने लगे लेकिन राजामणि बचपन से यही मानती थी कि हिंसा का मार्ग ज्यादा प्रभावशाली होता हैं। वे जब 16 साल की थी तब नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के भाषण से इतना प्रभावित हुई कि अपने सारे गहने आजाद हिंद फौज को दान कर दिए। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को इस बात का विश्वास नहीं हुआ और वो सरस्वती राजामणि से मिलने पहुंच गए। राजामणि का हौसला और जज्बा देखकर नेताजी ने उन्हें फौज का हिस्सा बना लिया। राजामणि ने अपनी दोस्त दुर्गा के साथ मिलकर ब्रिटिश कैंप की जासूसी की और कई महत्वपूर्ण जानकारियां आजाद हिंद फौज को दी। सन 1957 में सरस्वती राजामणि भारत लौटी और त्रिची में बस गई। राजामणि का जीवन यहां आसान नहीं था। और उन्हें भारत सरकार से फैशन पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। सरस्वती राजामणि को चैनई जाकर बसना पड़ा। बर्मा से पैतृक संपत्ति बेचकर जो पैसे मिले उससे अपना गुजारा चलाने लगी। सन 1971 में आजादी के सरस्वती राजामणि और फौज के अन्य सिपाहियों को पैंशन मिलने लगी। लेकिन राजामणि का जीवन फिर भी मुश्किल भरा था। 2005 तक राजामणि एक कमरे के मकान में रहती थी। 2005 में तमिलनाडु सरकार ने उन्हें चैन ई में एक घर दिया। 13 जनवरी 2018 को इस वीरांगना ने अंतिम सांस ली और इस दुनियां को अलविदा कह दिया। मुंबई हलचल परिवार ऐसी महान महिला क्रांतिकारी को नमन करता हैं।

इसुजु मोटर्स इंडिया ने देशभर में आई-केयर मानसून सर्विस कैंप की शुरूआत की

मुंबई। इसुजु अपने ग्राहकों को बेमिसाल सेवा और स्वामित्व अनुभव प्रदान करने के अपने संकल्प पर कायम है और इसी संकल्प को मजबूती देने का प्रयास करते हुए, इसुजु मोटर्स इंडिया की ओर से अपने इसुजु डी-मैक्स पिक-अप और एसयूवी की रेंज के लिए देश भर में इसुजु आई-केयर मानसून कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस सर्विस कैंप का उद्देश्य ग्राहकों को आकर्षक फायदों के साथ-साथ रखरखाव के लिए एहतियाती जाँच की सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि पूरे देश में सभी ग्राहकों को इस मौसम में बिना परेशानी के शानदार ड्राइविंग का अनुभव मिल सके। इसुजु केयर की पहल के तहत, 16 से 21 जून, 2025 (दोनों दिन शामिल है) के बीच देश भर में इसूजू के सभी अधिकृत डीलर सर्विस आउटलेट्स पर मॉनसन कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान ग्राहक अपने वाहनों के लिए खास ऑफर्स के साथ-साथ शानदार फायदों का भी आनंद ले सकते हैं। मानसून कैंप का आयोजन इसूजू के सभी अधिकृत सर्विस आउटलेट्स पर किया जाएगा, जो अहिल्यानगर, अहमदाबाद, अंबिकापुर, बेंगलुरु, बरेली, बाड़मेर, बठिंडा, भांडुप, भोपाल, भुवनेश्वर, बीकानेर, बिलासपुर, कालीकट, छत्रपति संभाजी नगर, चेन्नई, कोयंबटूर, डिब्रूगढ़, दीमापुर, दुगार्पुर, एनार्कुलम, गांधीधाम, गोरखपुर, गुड़गांव, गुवाहाटी, हिसार, हावड़ा, हुबली, हैदराबाद, इंदौर, ईटानगर, जयगांव, जयपुर, जालंधर, जम्मू, जोधपुर, कडप्पा, करनाल, खम्मम, कोलाहलपुर। कोलकाता, कोट्टायम, कुरनूल, लेह, लखनऊ, लुधियाना, मदुरै, मंडी, मैंगलोर, मेहसाणा, मोहाली, मैसूर, नागपुर, नासिक, नेल्लोर, नेरुल, नई दिल्ली, नोएडा, पटना, पुणे, रायपुर, राजमुंदरी, राजकोट, रत्नागिरी, सतारा, शिवमोग्गा, सीकर, सिलीगुड़ी, सोलापुर, श्रीनगर, सूरत, त्रिशूर, तिरुनेलवेली, तिरूपति, त्रिची, त्रिवेन्द्रम, वडोदरा, विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम में स्थित हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इंजन फेल, बर्ड हिटिंग या कुछ और...

अहमदाबाद। विशेषज्ञों का मानना है कि अहमदाबाद से लंदन जा रहे एअर इंडिया के विमान के हादसे का शिकार होने का संभावित कारण दोनों इंजनों का फेल होना या उड़ान भरने के तुरंत बाद पक्षी का टकरा जाना हो सकता है। विमान में चालक दल सहित 242 लोग सवार थे। ड़े विमानों के तीन वरिष्ठ पायलट ने बताया कि इस दुर्घटना के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध वीडियो को देखने से ऐसा लगता है कि इंजन उड़ान भरने के लिए आवश्यक गतिबल (थ्रस्ट) नहीं जुटा पाए, जिसके परिणामस्वरूप उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही आवासीय क्षेत्र में भीषण दुर्घटना हो गई। ये तीनों पायलट प्रशिक्षण का कार्य भी करते हैं। अहमदाबाद से लंदन गैटविक के लिए उड़ान भरने वाले बोइंग 787-8 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के विशिष्ट कारणों का पता विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा विस्तृत जांच पूरी होने के बाद ही चलेगा।

रेस्क्यू टीम से मिला एक ब्लैक बॉक्स

हादसे के तीन कारण

- इस केस में ये असंभव माना जा रहा है कि ये हादसा विमान के इंजन फेल होने से हुआ होगा।
- दूसरा बड़ा कारण होता है बर्ड हिटिंग यानी कि अगर कोई चिड़िया या वस्तु विमान से टकरा गई तो प्लेन में आग लग जाती है और वो क्रैश हो जाता है, लेकिन जब ये विमान नीचे गिर रहा है तो इसमें कहीं ऐसा नहीं दिख रहा है कि उसमें आग लगी हो।
- हादसे का तीसरा कारण होता है टेक्निकल फॉल्ट यानी तकनीकी खामी। अब ये तकनीकी खामी कुछ भी हो सकती है।

दिया गया था 'मेडे कॉल'

विमान नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) ने कहा कि उड़ान भरने के तुरंत बाद हवाई यातायात नियंत्रक को एक 'मेडे कॉल' दिया गया था, लेकिन उसके बाद हवाई यातायात नियंत्रक की ओर से की गई कॉल का विमान से कोई जवाब नहीं मिला। डीजीसीए ने एक बयान में कहा, रनवे 23 से प्रस्थान करने के तुरंत बाद विमान हवाई अड्डे की परिधि के बाहर नीचे गिर गया। एक वीडियो संदेश में एअर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) कैम्पबेल विल्सन ने कहा, जांच में समय लगेगा लेकिन हम जितना कुछ कर सकते हैं, कर रहे हैं।

सर्वाधिक अमेरिका में होते हैं विमान हादसे,10वें नंबर पर आता है भारत

रेस्क्यू में जुटी

विमान हादसों की बात करें तो सबसे ज्यादा विमान हादसे अमेरिका में होते हैं। इस बारे में स्टेटिस्टा ने पिछले साल एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें 1945 से लेकर 2022 तक के आंकड़े शामिल किए गए थे। इस रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में बीते 77 साल में कुल 864 विमान हादसे हुए हैं, यानी हर साल तकरीबन 11-12 हादसे होते हैं, जबकि 539 हादसों के साथ रूस दूसरे नंबर पर है। 191 हादसे कनाडा में, 190 विमान हादसे ब्राजील में हुए हैं। इस मामले में पांचवें नंबर पर कोलंबिया है जिसमें 184 विमान हादसे हुए, जबकि यूके में 110 हादसे हुए हैं। इंडोनेशिया में 106, फ्रांस में 105, मैक्सिकों में 102 विमान हादसे पिछले 77 साल में हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक विमान हादसों के मामलों में भारत 10 वें नंबर पर है, यहां 77 साल में महज 95 विमान हादसे हुए हैं, जबकि भारत के ठीक बाद चीन का नंबर है, चीन में 76 प्लेन क्रैश हुए हैं। इसके बाद 68 विमान हादसों के साथ इटली है. 1945 से 2022 तक की इस रिपोर्ट में सबसे कम हादसे अर्जेंटीना में बताए गए हैं, जहां 77 साल में महज 43 प्लेन क्रैश हुए हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

विमान हादसे से दुखी हुए बॉलीवुड के भाईजान

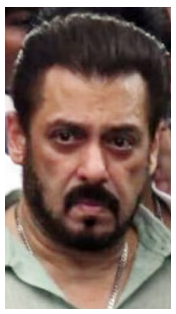

बॉलीवुड के कई सितारों ने अहमदाबाद विमान हादसे पर दुख जताया है। सलमान खान ने मुंबई के अपने इवेंट को रद्द कर दिया है, उनका कहना है कि ऐसे माहौल में जश्न मनाना ठीक नहीं है। गुरुवार की दोपहर को अहमदाबाद विमान हादसा हुआ इसके ठीक कुछ समय बाद ही सलमान खान को मुंबई के एक होटल में एक मीडिया इवेंट में शामिल होना था, लेकिन सलमान खान ने विमान हादसे की खबर के बाद इवेंट को रद्द करने का फैसला किया। सलमान खान के करीबी सूत्रों ने बताया है कि उनका यह कहना है कि ऐसे माहौल में कुछ प्रमोट करना या मुस्कुराना शोभा नहीं देता है।

अहमदाबाद क्रैश में विक्रांत मैसी के चचेरे भाई एयर इंडिया के फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर का निधन

विक्रांत ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट में इस निजी क्षति को साझा किया और शोक संतप्त परिवारों के लिए संवेदनाएं व्यक्त कीं। बॉलीवुड एक्टर विक्रांत मैसी ने इस भयावह हादसे पर सोशल मीडिया के जरिए अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने बताया कि इस हादसे में उनके चाचा क्लिफोर्ड कुंदर के बेटे और एयर इंडिया के फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर की जान चली गई। विक्रांत ने लिखा, अहमदाबाद में हुए अकल्पनीय रूप से दुखद हवाई दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी लोगों के लिए मेरा दिल टूट गया है। जानकर और भी दुख हुआ कि मेरे चाचा ने अपने बेटे को खो दिया, जो इस फ्लाइट के इकलौते फर्स्ट ऑफिसर थे।

करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर का निधन

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के पूर्व पति और बिजनेसमैन संजय कपूर का अचानक निधन हो गया है। 53 वर्षीय संजय कपूर इंग्लैंड के गार्ड्स पोलो क्लब में हॉर्स पोलो खेलते समय गिर पड़े, जहां उन्हें दिल का दौरा पड़ा। उन्हें तुरंत मेडिकल सहायता दी गई, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। उनका यूं अचानक जाना परिवार, दोस्तों और इंडस्ट्री के लिए गहरा झटका है। खास बात यह है कि कुछ घंटे पहले ही उन्होंने अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सोशल मीडिया पर दुख व्यक्त किया था। अब उनकी मौत की खबर सामने आकर सबको हैरान कर रही है। इस घटना से पहले अहमदाबाद में बड़ा विमान हादसा हुआ था, इस दुर्घटना को लेकर संजय कपूर ने सोशल मीडिया पर दुख जताया था। संयोग देखिए, कुछ घंटों बाद खुद उनकी भी दुखद मृत्यु की खबर आई। यह एक ऐसा दिन रहा, जिसने देश को गहरे सदमे में डाल दिया एक ओर विमान हादसा, दूसरी ओर एक नामी उद्योगपति की मैदान में अचानक मौत। यूके में गुरुवार को एक दिल दहला देने वाला दृश्य सामने आया, जब संजय कपूर पोलो खेलते समय घोड़े से नीचे गिर गए। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। संजय कपूर उद्योग जगत की जानी-मानी हस्ती थे और उन्हें पोलो का गहरा शौक था। वो सोना कॉमस्टार कंपनी के चेयरमैन थे और हमेशा फिटनेस और एक्टिव लाइफस्टाइल में विश्वास रखते थे। संजय कपूर की शादी 2003 में बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर से हुई थी। इस रिश्ते से उनके दो बच्चे हुए समायरा और कियान है। हालांकि, यह रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चला और 2016 में दोनों का तलाक हो गया।